>

Title: Need to provide a special financial package for all-round development of Santhal Pargana in Jharkhand.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): झारखंड राज्य में संथाल परगना इस देश का सबसे ज्यादा पिछड़ा व अविकसित भूभाग है। केवल 10 प्रतिशत जमीन सिंचित है। 75 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं। लगभग 70 प्रतिशत लोग अशिक्षित हैं। वर्षों से विकास की प्रतीक्षा में लोग निराशा के आलम में जीने को मजबूर हो रहे हैं। बांग्लादेश एवं नेपाल की सीमा से अवैध घुसपैठ व नक्सलवाद बढ़ावा दे रहा है। अतः भारत सरकार बुंदेलखंड की तर्ज पर विशेष वित्तीय पैकेज दे। संथाल परगना के 6 जिलों में प्रत्येक में एक मॉडल कॉलेज बनाया जाये। एक विशेष अस्पताल का निर्माण कराया जाये। डुमरी से रामपुर हाट वाया देवघर एवं देवघर साहेबगंज वाया गोड्डा नया राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाये। देवघर में 4000 मेगावाट के पॉवर (यूएमपीपी) का कार्य प्रारंभ किया जाये। नक्सलवाद के कारण देवघर जहां पांच करोड़ व्यक्ति प्रत्येक वर्ष ज्योतिर्लिंग का दर्शन करने आते हैं, वहां नया हवाई अड्डा का कार्य प्रारंभ किया जाये। देवघर में नया कृषि विश्वविद्यालय बनाया जाये एवं सॉफ्टवेयर टैक्नोलॉजी पार्क देवघर में बनाया जाये। संथाल परगना में एक मेगा फूड पार्क का निर्माण कराया जाये। शिवगंगा की सफाई कार्य पर्यावरण मंत्रालय तुंत शुरू करे। कोल बैड मिथेन मिलने के कारण एक खाद का कारखाना स्थापित हो। जसीडीह-गोड्डा रेलमार्ग का कार्य तुंत आरंभ किया जाये। पिछले 40 वर्षों से लंबित सिंचाई परियोजना (ए0आई0बी0पी0) में लेकर पुनासी, बुदई, त्रिकूट, बटेश्वर एवं गोड्डा के अन्य योजनाओं का कार्य पूरा किया जाये। कम से कम तीन इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की जाये। प्रत्येक जिले में आईटीआई की स्थापना हो। प्रत्येक प्रखंड में कम से कम एक अंग्रेजी माध्यम का स्कूल हो। सिल्क उद्योग को बढ़ावा देने की विशेष व्यवस्था हो। एनएसडीसी के तहत अनपढ़ लोगों के कार्य-कुशलता में वृद्धि की व्यवस्था हो।